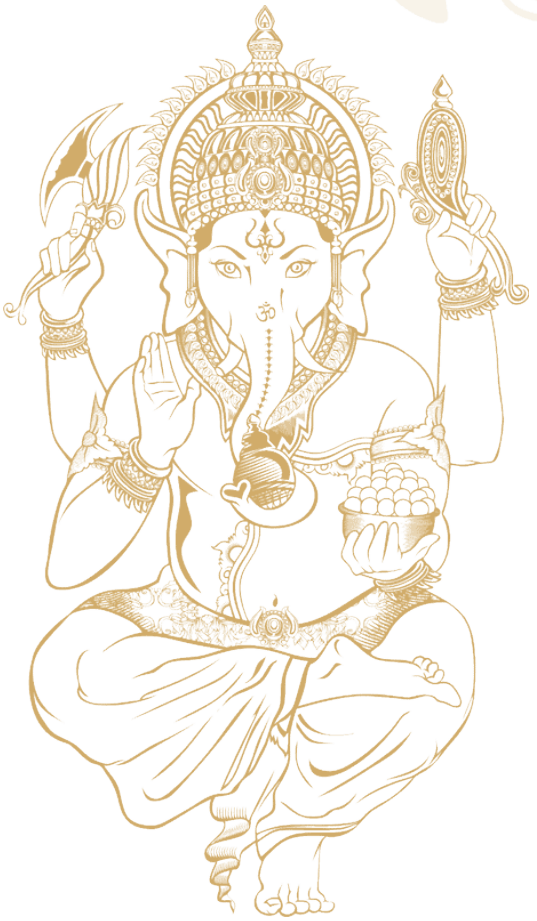

sunny

akshita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121386202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/11/2000	जन्म तिथि	11/04/2000
मंगल-बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 06:05:00	जन्म समय	19:30:00 घंटे
घटी 58:16:54	जन्म समय(घटी)	33:50:23 घटी
India	देश	India
Bulandshahr	स्थान	Ghaziabad
28:30:00 उत्तर	अक्षांश	28:40:00 उत्तर
77:49:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:44	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:14	सूर्योदय	05:59:14
17:22:48	सूर्यास्त	18:43:48
23:51:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 2मा 18दि		26:24:18	तुला	लग्न	तुला	08:56:32	गुरु 5वर्ष 11मा 3दि	
राहु		06:08:47	वृश्चि	सूर्य	मीन	28:07:36	बुध	
09/02/2011		19:02:41	कन्या	चंद्र	मिथु	28:23:45	15/03/2025	
09/02/2029		17:08:15	कन्या	मंगल	मेष	20:20:52	15/03/2042	
राहु	22/10/2013	18:28:08	तुला	बुध	मीन	04:00:42	बुध	12/08/2027
गुरु	17/03/2016	13:06:41	वृष व	गुरु	मेष	17:44:27	केतु	08/08/2028
शनि	22/01/2019	16:49:08	धनु	शुक्र	मीन	12:04:28	शुक्र	09/06/2031
बुध	10/08/2021	03:25:20	वृष व	शनि	मेष	22:53:30	सूर्य	14/04/2032
केतु	29/08/2022	22:45:08	मिथु व	राहु	कर्क	06:04:08	चन्द्र	14/09/2033
शुक्र	29/08/2025	22:45:08	धनु व	केतु	मक	06:04:08	मंगल	11/09/2034
सूर्य	23/07/2026	23:19:35	मक	हर्ष	मक	26:11:59	राहु	30/03/2037
चन्द्र	22/01/2028	10:18:55	मक	नेप	मक	12:31:08	गुरु	06/07/2039
मंगल	09/02/2029	18:23:14	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:50:43	शनि	15/03/2042

लग्न-चलित

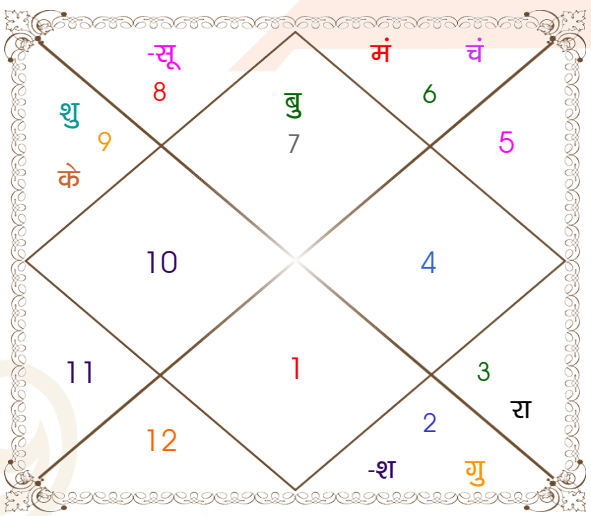

लग्न-चलित

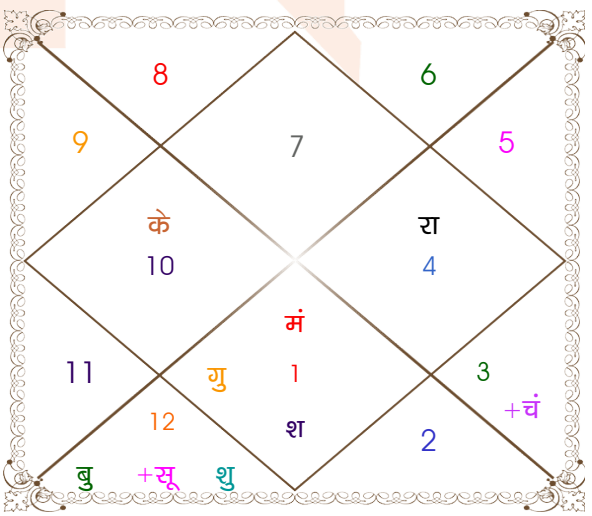

Acharya Sandeep Shastri
Greater Noida
9315747415
astrosankalp108@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

`नददल का वर्ग श्वान है तथा akshita का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार `नददल और akshita का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

`नददल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल `नददल कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र `नददल कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

akshita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।

कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल akshita कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल akshita कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु akshita कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

`नददल तथा akshita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Acharya Sandeep Shastri
Greater Noida
9315747415
astrosankalp108@gmail.com